

१२१ सावित्रीगर्वा वलि विधि



१०८ नमः ॥ धामका रुच वायनमः ॥ गुन नमः ॥ काल ॥ व्यास ॥ डी द
दयादि ॥ कल अङ्ग न्यास काल यत् ॥ कल अङ्ग यातु यत् ॥ तुत
धुदि ॥ अक्षयूजा ॥ मनु ॥ डी डी डी डी डी डी ॥ तुत धुदि ॥ अक्षा
नमूलमनुन अक्षयूजा ॥ चन्द नादि तुषर्ण ॥ ॥ नन्दिमहाः
कात्र सानि ॥ उद्ग न्यादि ॥ निवर्ण कि कल सार्चन ॥ थदिः
लियूजन ॥ नलमलुलाध्व ॥ मलुल यूजन माविधि ॥ अग्नि
काय्य ॥ नलु ॥ मय मय गार् दृतादिति ॥ उलादिति यूर्ध्व ॥ थ
नयलियाति विधि ॥ ॥ पूर्वदालयूजा ॥ ॥ डी डी नन्दिनाः

नमः॥ दक्ष॥ ॐ कौमरका कालाय नमः॥ वाम॥ ॐ कौमा नि
दा लाय नमः॥ म॥ ॐ कौमा नि दा वाय नमः॥ म॥ ॐ
कौ न वा साय नमः॥ ॐ कौ लु ॐ लाय नमः॥ आ वा रु ना दि व
लि यू जा॥ ॐ कौ यु वी द शा स दि ग वा सि था अ का न म उ व ॐ न
मा रु मा त्रि उ य सा नि थं सां ग म वा य स ग ल य वि वा वा य व लिं
ग रु २ स्त्रा रु॥ यु व द वा य यू जा॥ ॥ द क्षि ण दा य यू जा॥ ॐ कौ
ह मि भ न मः॥ दक्ष॥ ॐ कौ वि ना य का य नमः॥ ॐ कौ वि यू ना
वा सा य नमः॥ म॥ ॐ कौ वि या ना व ली ये नमः॥ म॥ ॐ
॥ वाम॥ २

कौमरका मदि सा ये नमः॥ ॐ कौ गू मू य मा ये नमः॥ आ वा रु ना
दि व लि यू जा॥ ॐ कौ द क्षि ण दि गा स दि ग्ग नि था अ का न म उ व
व ॐ ना य म रु मा त्रि यं उ सा नि थं सां ग म वा य स ग ल य वि वा वा
य व लिं ग रु २ स्त्रा रु॥ ॥ द क्षि ण॥ ॥ य धि म दा य यू जा॥ ॐ
कौ वृ था सा य नमः॥ दक्ष॥ ॐ कौ क न्य ये नमः॥ वाम॥ ॐ कौ
नि वृ लि दा वा था नमः॥ ॐ कौ नि वृ लि दा वा य नमः॥ म॥ ॐ
कौ म रु म क वा नू रा य नमः॥ ॐ कौ वृ व नू ण य नमः॥ आ वा रु
ना दि व लि यू जा॥ ॐ कौ य धि म दि गा स दि ग्ग नि था अ का न म

ॐ वरुणाय नमः कामाविउयमानिर्धमाङ्गाय नमः गङ्गाय विवा
याय वलिंगुद्र २ स्वरुणा ॥ ॐ उरुवद्वानयूजा ॥ ॐ ऊँ दधे न
मः ॥ दधे ॥ ॐ ऊँ दधे नमः ॥ वाम ॥ ॐ ऊँ मूलिषादाय नमः
मः ॥ ॐ ऊँ युलिषादाय नमः ॥ म ॥ ॐ ऊँ मध्याय नमः
मः ॥ ॐ ऊँ मूक्याय नमः ॥ आवाहनादिवलियूजा ॥ ॐ ऊँ उरु
वद्वानयानिर्धमाङ्गाय नमः कामाविउयमानिर्धमाङ्गाय
याय वलिंगुद्र २ स्वरुणा ॥ ॥ आवाहना
यूजा ॥ ॐ ऊँ विद्विदाय नमः ॥ ॐ ऊँ विद्विदाय नमः ॥

ॐ ऊँ वृषायाय नमः ॥ ॐ ऊँ वृषायाय नमः ॥ आवाहनादिव
लियूजा ॥ ॐ ऊँ विद्विदिगामदिग्गलिषाङ्गाय नमः वरु
णाय नमः कामाविउयमानिर्धमाङ्गाय नमः गङ्गाय विवा
याय वलिंगुद्र २ स्वरुणा ॥ ॥ नैमत्याय नमः ॥ ॐ ऊँ सिद्धिदाय नमः
य नमः ॥ ॐ ऊँ दिशिदाय नमः ॥ ॐ ऊँ सवासाय नमः ॥ ॐ
ऊँ नैमत्याय नमः ॥ आवाहनादिवलियूजा ॥ ॐ ऊँ नैमत्य
दिगादिगवास्यायादि ॥ म ॥ ॥ वय्यदाय नमः ॥ ॐ ऊँ
कालिदाय नमः ॥ ॐ ऊँ मृगवाहनाय नमः ॥ ॐ ऊँ श्रुय

कौउडक न्याय नमः॥ ॐ कौं हं सा स्याय नमः॥ ॐ कौं उं उं उं
 उडक न्याय नमः॥ अ वा रु ना दि वलि यूजा॥ ॐ कौं उडक न्या
 दि भी स वा गि श्या त्यादि॥ ॥ ॥ त ना के ल स यूजा॥ ॐ कौं
 न वा व न ग जा नू धा स्याय नमः॥ ॐ कौं लौं लौं लौं लौं न्याय
 व ड द ना य व ड रु सो य सू ना दि क य नमः॥ २ न ॥ नि न्या न
 मः॥ २ म हा का ला य २॥ वा मे॥ ॐ कौं गं ग म य २॥ द क॥ २ रु म न
 य २॥ वा मे॥ स्व स्व म रु ण वलि॥ अ वा रु ना दि यूजा॥ पूर्व क ल सा
 र्व ण॥ ॥ ॐ कौं म हा म हि ष मा नू ढा स्याय २॥ ॐ कौं मौं मौं मौं

ॐ ऊं कृष्णाय नमः ॥ ॐ ऊं अं अद्वयं नमः ॥ वलि ॥ अवाहन
 दि ॥ अद्वय ॥ ॥ २ य द्या स्या य २ ॥ २ ऊं ऊं ऊं ऊं अद्वयं नमः ॥ वलि
 ॥ अवाहनादि ॥ उद्व ॥ ॥ २ मूष्म स्या य नमः ॥ यं कुलिसमा
 क ॥ २ मं ग म फ य २ ॥ वलि ॥ अवाहनादि ॥ ॥ २ मं गु न म
 नमः ॥ वलि ॥ अवाहनादि ॥ व कुलिसमा स्या ॥ ॥ २ कौं द
 उ या ला य २ ॥ वलि ॥ अवाहनादि ॥ वं मा क ॥ ॥ २ मं स व्र षां गि
 नी था २ ॥ स्व स्व म कुं ल वलि ॥ अवाहनादि ॥ य कुलिसमा स्या
 ॥ या गि क ल म ॥ ॥ २ मं म काल क्री २ ॥ वलि ॥ अवाहनादि ॥ यं
 कलि वं मा स्या ॥ ॥ २ क ४ अम्रा य रुट ॥ स्व म कुं ल वलि यि मा स्या ॥

॥ ॥ ॐ ऊं ऊं ऊं वृ क्री द न कृ य ला य नमः ॥ वलि ॥ अवाहन
 दिय क नी र्म रं मा स्या था ग्य ॥ थन क ल म य २ ॥ ॥ न ना नि
 व ॥ कि क ल ग य २ ॥ अ धा न ग क स्या दि ६ ॥ २ वृ षा स्या य २ ॥ २
 नि वा स्या य २ ॥ २ ऊं ऊं ऊं अ धा न म काले न वा य नमः ॥ २ ऊं अ
 धा न म काले न वी नमः ॥ अ गि ना ॥ अ दि ६ ॥ वृ क्रा दि ६ ॥ ऊं
 द या य २ ॥ ऊं द या दि ६ ॥ उ मा य २ ॥ ग नृ यं स्या दि ॥ रु ग लि ङ्ग क ल
 ॥ ॥ ऊं य ॥ वि कृ प ॥ म्ना य ॥ मू द ण न म धु र स्या दि ॥ ॥ न ना थं दि
 ल य २ ॥ गं ण कृ य २ ॥ ॥ न ना अग्नि कार्या ॥ न्या स ॥ नि म च
 ना दि क ॥ ॥ ऊं अम्रा य रुट ॥ या कृ ली ॥ ऊं नि वी क न ॥ ऊं क व चा य २

॥ नाउनी ॥ अत्र गुह्यं ॥ कृष्णाय नमः ॥ आरुह्य ॥ २ ॥ खननं ३ ॥
 द्वयं ४ ॥ कौटुह्याय नमः ॥ वीर्यं ५ ॥ कृष्णाय नमः ॥
 ॥ ६ ॥ ३ ॥ कृष्णाय नमः ॥ वीर्यं ७ ॥ ८ ॥ कृष्णाय नमः ॥
 ॥ वीर्यं ८ ॥ ९ ॥ कौटुह्याय नमः ॥ वीर्यं १० ॥ कृष्णाय नमः ॥
 ॥ विष्णुना वीर्यं ११ ॥ कौटुह्याय नमः ॥ वीर्यं १२ ॥ कौटुह्याय नमः ॥
 यत्नात् ॥ कौटुह्याय नमः ॥ वीर्यं १३ ॥ कौटुह्याय नमः ॥
 दा ॥ कामगिरिजम्बानस्य विये ॥ कौटुह्याय नमः ॥ कौटुह्याय नमः ॥
 धनवृत्ति कान्तानि ॥ कौटुह्याय नमः ॥ वीर्यं १४ ॥ कौटुह्याय नमः ॥
 यावत् शिवाय नमः ॥ कौटुह्याय नमः ॥ कौटुह्याय नमः ॥

कार्यं स्यात्तत् ॥ अमुं हानि रुक्म नमः ॥ ॐ कूं सर्वविघ्निकृत्स्नं सर्व
 दुर्गं ह्यवलिं गृह्ण ॥ २ ॥ स्यात् ॥ यत्तु संधवलि ॥ विमर्श नयाये ॥ ७
 अष्टि निया मित्र ० न ॥ न्युदित क मूल सज्जन नयुता ॥ गमयती न
 जाय ॥ उक्तमा नस्य शवा यथा क्राये ॥ अग्नि स्काये नयाय ॥ ॐ
 कूं वक्रि यत नाय स्यात् ॥ विदुर्मता वीज यत ना विविद्य ॥ कां ह
 मति नयाये ॥ यत्तु वेदि युता ॥ ॐ वक्राये ॥ ॐ सक जाये ॥ २
 विष्णु वनमः ॥ २ ॥ अत नाये नमः ॥ ॥ २ ॥ रुक्मा स्माये ॥ २ ॥ गनू ज
 स्माये ॥ २ ॥ वक्र मे ॥ २ ॥ विष्णु वनमः ॥ कूठ दक्षिण वक्रा ॥ कृष्ण उ
 रु नयलि न ॥ अस्वस्व यत्तु मा स्काये ॥ ॥ ध्रुवा ध्रुदि ॥ द्रुक्माय

रुट॥ आ क ली॥ अग्निभा ५३॥ जित त्व न ह व्या॥ रु ४ अमुय रुट
 ॥ त्रिदि आकासं वायुयुज ली॥ ३॥ कलुगामं दक्षिणी॥ अग्नि
 यनी त कं दं या रु॥ २॥ कौ द दयाय नमः॥ संयुक्त॥ कौ द दय
 य न हाग्नि ये स्वाहा॥ तिला दूति ३ दू ता दूति लि॥ १॥ ७॥ कौ द
 निवम स्वाहा॥ संयुक्त॥ कौ निवम यष्टिका य स्वाहा॥ तिला दू
 ति हि दू ता दू ति लि॥ आ अस्त तासा धा॥ या कानि विर्यं ३॥ कौ द
 दयाय नमः॥ धु वत॥ दू निखाय था यट॥ का से॥ अग्नि स्वाहा
 ॥ आ (प्रये॥ मा माय स्वाहा॥ ०॥ न॥ अग्नि भा मा र्था स्वाहा॥ क
 म न सिं व र्ण॥ २॥ दू निखायं २॥ संयुक्त॥ २॥ दू निखाय मिर्म ता य

स्वाहा॥ तिला दूति दू ता दू ति लि॥ ॥ दू क नय न ११ वी व क
 ल्य ना ४॥ सी मं ता नय न॥ २॥ दू क व या य दू॥ संयुक्त॥ २॥ दू क व
 या य ता न क म ना य स्वाहा॥ तिला दूति दू ता दू ति लि॥ आ त
 क म॥ २॥ दू अमुय नमः॥ संयुक्त॥ २॥ दू अमुय निम क म ना य स्वा
 हा॥ तिला दूति दू ता दू ति लि॥ २॥ कौ दू दू संयुक्त॥ २॥ कौ दू दू न
 नाग्नि ये ना म क ल्प य स्वाहा॥ तिला दूति दू ता दू ति लि॥ ना म
 क ल्प॥ ३॥ २॥ वा (ग ४५ व वा ४१ ४५ वा य नमः॥ संयुक्त॥ स्वा हां न दू
 स्व न भा नम, विम क॥ ०॥ नि द स क्रिया विधि॥ ॥ व दी ५ व

क्रा. यनात. दिगदात्र. दिगकलस. ॐ आदि ला कयाल. मूलक
लस. थंठिल. वलि. विदव. ॥ अग्निना आदि. ॥ रुद्रकादि. ॥ अऊनादि
॥ चउमथिथानि. ॥ समयवलि. ॥ सवतिलाकृति. दानथं. घृता
कृतिरि. ॥ ॥ नना कामयावा धुदि. ॥ अमु. एथा कृ. ॥ अग्नि
भाध. ॥ यवा. ॥ अऊन. ॥ समग. ऊपमलि. ॥ मूलसज. ॥ एयू
यन. ॥ आवाक. ॥ (अनू. मूडाया. ॥ ऊऊमानथियक. ॥ आययाये
॥ घृता कृतिवत. ॥ ऊऊमान. कलस. थंठिल. ॥ आवाकन. यूऊ
न. ॥ आकृतिदयात्. ॥ यू. ॥ सान्नि. वलिविय. ॥ साविधि नरु. ॥

वलियातं आकृति. ॥ ॥ दहिना वरुन यूऊन वलिद आ
कृतिविये. ॥ मूलसक्त. एयू. ॥ म. एऊय. नरुमनु. मडन. द
म. ऊपम. म. म. म. यू. वि. क. वि. धि. रु. ॥ अ. धा. नरुका. न. म. न.
एवलि. विय. ॥ आकृति. यू. ॥ म. खा. काम. १०८. ॥ यू. न. ४. क. ल. स.
थ. दि. व. ऊऊमान. स. यू. ऊ. द. व. दा. ला. द. व. म. क. यू. ऊ. ॥ द. म. व. लि.
॥ न. य. न. ऊ. थ. वि. धि. ॥ आ. कृ. ति. ॥ य. ॥ अ. धा. न. ॥ मा. सा. कृ. ति. ॥ मि. ना.
कृ. ति. ॥ अ. लि. यू. ॥ यू. न. द. १. व. लि. यू. ऊ. न. ॥ य. ॥ अ. धा. न. ॥ म. र्. ॥ द.
म. व. लि. वि. म. ऊ. न. ॥ य. व. धा. न. ॥ आ. वा. क. यू. ऊ. न. ॥ घृ. त. दी. य.

शुद्धिका, वलि विसर्जनं ॥ दिनयुष्म ॥ आसं ॥ अविभरव
॥ अगि वाद ॥ ० ॥ ॥ ति दिनयुष्म ॥ ॥ तला वा विज्ञा गल
कृत्वा ॥ भक्त्या ॥ कथा विधि ॥ तनु नि विम कून सा दा व
॥ कजा गि अ वा धन या या ॥ कर्म पा र्था म हा वलि विय स
विधि न ॥ वलि स य धु न र्य न आ दिन य ध्र ध्र वा वी य ॥ मूल
आ या र्था र्थ अग्नि स य धु न र्य न य ध्र ध्र स मा सा कृ ति गि वा द
निया ये ॥ का मा लियु जा ॥ ॥ ॥ ॥ मभ या न ॥ म हा व
लि शु ये ॥ दि ग नि शु ये ॥ पु न स मूल वलि शु ये ॥ अग्नि स, वा

विज्ञा गल युष्म ॥ कृत्मान अविभरव अगि वा द ॥ क ॥ क
रं क यु जा ॥ ॥ ॥ ति वा विज्ञा गल वलि विधि ॥ ॥
॥ तला वा न स न कृत्वा ॥ भ त द वी वा दि ग दा व ॥ क ल स थं ठि व
स व यु क न ॥ अ कृ ति द या न ॥ भं ति क यु धि क ॥ द भ या न न
॥ य व धं न्या सा ॥ वा दि क मा म ॥ आ रा र्थ यु क न ॥ अ त्त शं क त्य ॥
न रा य थ रि का ॥ द कि ष दानं ॥ वा व न ॥ द भ वलि वि
स कून ॥ कृ य युष्म ॥ अ शं ॥ द व र्थ ठि ल ॥ क ल स ॥ अग्नि
आ रा र्थ अगि वा द ॥ म हा मा लि उ य भ नि र्थ अग्नि ग धा दि

नमस्तुभ्यं प्रियं नमस्तु ॥ ॥ ऊऊमान ऊऊरिभरव ॥ स्वयं न
आयुधि कलस समल्य ली ॥ शिवशक्ति ॥ ॐ हृदयनात्र ली ॥
सूर्यनिलि कली ॥ ॥ ॐ निमतामालि उयमानि र्थननु
मिऊरुमहावलि नाशिकाग्रहासमाय ॥ ॥ ॥

आर्य समाज
ASHA ARCHIVES

3066

१ गङ्गा धति लयूङ्ग न॥ ॐ ह्रीं नूदाय नमः॥ २ वृषकाय नमः
॥ २ अरिमुक्ताय ॥ २ अर्मुक्ताय नमः॥ २ यन्मुखाय ॥ ३
मान॥ २ विष्णुकाय नमः॥ २ महाविभूयाय ॥ २ महौ कला
य नमः॥ २ विकृतयूयाय नमः॥ २ विकृताकाय नमः॥ २ वि
ङ्गलाकाय नमः॥ २ स्थितयिङ्गलाय नमः॥ २ कृषूयिङ्गलाय ॥
२ मधूयिङ्गलाय नमः॥ २ संनृयिताय नमः॥ वायूय॥ ॥ २ अ
नकाय नमः॥ २ आदाय नमः॥ २ सुक्ताय नमः॥ २ अवयाय
नमः॥ यश्चिम् ॥ ॥ २ कलायाय नमः॥ २ विकलायाय नमः॥

हिमं ॥ २३ द्वाये ॥ २ धी क ल्म येन म ॥ २ नि म्हु नि न म ॥
 ॥ २५ क न ग्ना येन म ॥ २ नि वा न मा येन म ॥ २ सु का येन
 म ॥ ॥ यु र्वा दि ॥ ॥ नार्क ॥ ॥ अ नि ता आ दि ॥ ॥ रु रु का दि ॥
 यु र्वा दि ॥ ॥ नार्क ॥ ॥ द (ध) ता य् स्वा ना ॥ ॥ द्वा न जा द्वा न सो दि न ने व द्वा
 ॥ ॥ ध न वा मा व रु न द्वा न न हाम् आ रु ॥ ॥ न नि क म् ॥ ॥ ॥ द हि
 ना व रु न य् रु न ॥ ॥ हाम् आ रु ति ॥ ॥ यु र्वा क म् ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 न मा रि द (ग) य् व म रु हें व व वा द्वा य म रु ना ल व रु यि रु य ॥
 या दान् रु लं द्वा य रि न ग्ना य् म्हु रि ल म्हु रु ज रु व रु य् धा व

पूर्वादिः ॐ नमो नरकं ॥ दत्तं ता यस्मान् ॥ दानं ज्ञाद्युक्तं सो हनने वद
४॥ धर्मं वामावर्तनं घृतं नक्षत्रम् आह ॥ अतिक्रम ॥ ॥ दहि
नावर्तनं युक्तं न ॥ क्षाम आहति ॥ युष्टिकर्म ॥ ॐ कौं कौं कौं कौं
नमाग्निदत्तं स्वयं मन्त्रं हे नव ब्राह्मणाय मन्त्रं नासव बुधियुक्तं पा

यादानुलं द्रव जायति भजाय मृदु हिल म्भ राजारु प्रक्षय धाव

[illegible]

४॥ ॥ ॐ ह्रीं सदी ल की म्म मदा म्म ह्रीं कया यम सर्व ४॥ नि

कृत्स्नसर्वो यदवन्मासं सर्वं युधि कृत्स्नमात्मसद्वाहिसर्वा
नञ्जानानञ्जो वासयन् वक्रं वलिं गृह्णन् संज्ञं ॐ स्वाहा ॥ य
ष्टिकं वलिं ॥ यज्जना आहुतिनां थनञ्जना ॥ ॥ ॐ नमो
भवते या भुवता या तु सवलवी य य वाक् भयसि य नयना
य नाना वया य नाना पुष्टं वलिं य न क वाय सर्वो न व काय
हि न्नाञ्ज न वृद्धाय न न वना लयि या य सर्वं विष्टु न कृन्
न क वाय सर्वं लिङ्गि य दाय रु क्कान् क पि ना न् संख व क्क तु
जया दाय य वि सिद्धि दाय य नाल विगति न न कि ना द्वा

हिञ्ज न काय या पि नी गृह्ण का वि ति दाय रु क्क लय मा म
या नि न गाय विष्टु क व वा य ॐ नृ रु क्का य रु म द लय व न
न या न य वृद्ध विष्टु लाय रु ल जि द्वा य सर्वं भाग विडा व नी
य गृह्ण नि गृह्ण का वि ति द्वा ना न दं य का वि ति ॐ कृष्ण वि
न लाय रुट् ॐ कु ला रुट् ॐ वजा य रुट् ॐ न्द्रा य रुट्
ॐ न काय रुट् ॐ अग्नि ये रुट् ॐ दक्षि ये रुट् ॐ रु मा य
रुट् ॐ स्वप्ना य रुट् ॐ नेम त्या या रुट् ॐ या न य रुट्

ॐ वत्सलयरुट् ॐ क्षत्रायरुट् ॐ अक्षययरुट् ॐ
वायवरुट् ॐ गदायरुट् ॐ कवलायरुट् ॐ विष्णु
लायरुट् ॐ ॐ नारायणरुट् ॐ वक्रायरुट् ॐ वक्रा
यरुट् ॐ नागमायरुट् ॐ खादकामायरुट् ॐ म
डामायरुट् ॐ ककालामायरुट् ॐ कविकामायरुट्
ॐ वक्रामायरुट् ॐ नकामायरुट् ॐ गनामायरु
ट् ॐ वासुकामायरुट् ॐ गधुवामायरुट् ॐ वव
ॐ

मायरुट् ॐ दक्षिणामायरुट् ॐ वामामायरुट् ॐ व
ज्रिणामायरुट् ॐ माणामायरुट् ॐ नकिनामायरु
ट् ॐ यात्रिनामायरुट् ॐ दक्षिणामायरुट् ॐ जम
विकामायरुट् ॐ लामामायरुट् ॐ ॐ ननामायरु
ट् ॐ निवामायरुट् ॐ यत्रुषामायरुट् ॐ अक्षालामा
यरुट् ॐ कामामायरुट् ॐ सञ्जामायरुट् ॐ उ
दयामायरुट् ॐ निवमरुट् ॐ निखायरुट् ॐ कव

याय रुट ॐ नगामाये रुट ॐ महाश्रमाय रुट ॐ
गत्रुदासोय रुट ॐ आक्षमाय रुट ॐ दानवाकोय
रुट ॐ मुक्ककासोय रुट ॐ क ४ नत्रनिहामाये रुट
ॐ स ४ रुट ॐ ससमाय रुट ॐ व ४ रुट ॐ टं ४ रुट ॐ
लं ४ रुट ॐ यं ४ रुट ॐ सैं ४ रुट ॐ शि ४ रुट ॐ मौ ४ रुट
ॐ यी ४ रुट ॐ रुट ॐ वरुट ॐ स्र ४ रुट ॐ मरुट ॐ
ऊनरुट ॐ नंवे ४ रुट ॐ सले ४ रुट ॐ सर्वमासरुट ॐ

सर्वतलं रुट ॐ सर्वयात्रि रुट ॐ सर्वनाडी रुट ॐ
सर्वकात्रिही रुट ॐ सर्वदवरुट ॐ डी रुट ॐ कै रुट
ॐ कौ रुट ॐ धू रुट ॐ लं रुट ॐ रेववाकोय रुट ॐ
मायामाये रुट ॐ कायामाये रुट ॐ दधयालाकोय रु
ट ॐ कलामाये रुट ॐ डी रुट ॐ राक्षमाये रुट ॐ
कक्षमाये रुट ॐ विद्वाभमाये रुट ॐ खाखारुट ॐ का
क्षारुट ॐ शमय रुट ॐ शुभमाये रुट ॐ कुदेयरु

८ॐ उन्नलयरुट ॐ उन्नलयरुट ॐ संजीवयरुट
८ॐ विडावयरुट ॐ सर्वद्विजनां सयरुट सर्वना
वंरुनादवसर्वविद्योनिनां सयन। मरुयाधुपंनोभु
४ मरुयाधुपंनोभु ॥ साधुपंनोभु ॥ साधुपंनोभु ॥
यावत्सिनामिति ४ साधुपंनोभु ॥ यावत्सिनामिति ४
कृतिवियज्ञना ॥ यूर्ध्व ॥ ॥ गुरुमस्तु सर्वदा ॥ ॥

१ यश्च मृतं स्नानं ॥ टंशु ॥ कलभ ॥ धत्री ॥ यायाद्य ॥ अ
यमन ॥ आमकी कन ॥ आक ॥ उका ॥ युका ॥ मास
यान ॥ ची ॥ निवसत ॥ धवि ॥ अश्वन ॥ भना ॥ वसिं
या ॥ रुल ॥ रु ॥ मधू ॥ दद ॥ (थं) ला ॥ उग्धजा ॥ या (थं)
॥ कं कंम ॥ दृनयागुम् ॥ कयूत्र ॥ समिध ॥ दृनदद ॥
धवि ॥ कस्मि ॥ रुम ॥ अकन ॥ टंशु ॥ भना ॥ समि ॥ क्षीले
जा ॥ गुगुवि ॥ टंशु ॥ उका ॥ यूर्ध्व ॥ यन ॥ हना ॥ समिदि ॥

रु ५ ग ग न य नि च रु भा य ॥ मू व या न व दि छि । म
नि न रु रु २ ॥ हूल नि १० ॥ गुरु ॥ व या द का ॥ व नि ३ ॥ आ
म ॥ का खा ग ॥ का भा क व रु डा २ ॥ य रु व त्त ॥ खा या १
य रु य या ॥ ना रु या ॥ ॥ ॥ ॥

